रंगमहल नोवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

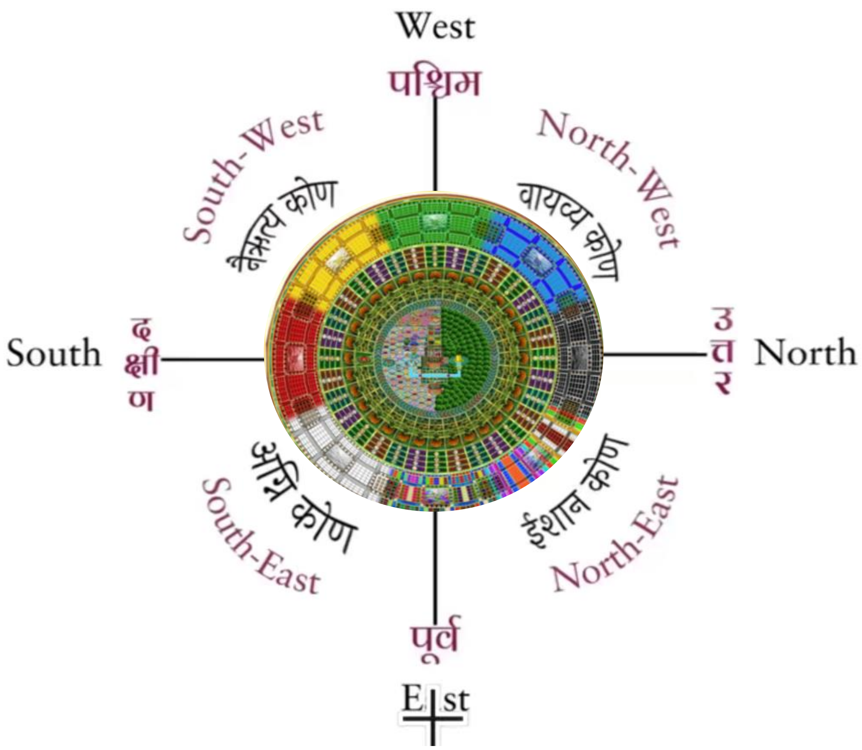

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

गिनती में आवे नहीं, क्यूं कर कहूं हिसाब ।
दिल में क्यों कर आवहीं, कोई पावे नहीं सबाब ।।२।

ए ठौर बाहेदत की, जिनको नाहीं पार ।
सब जोगवाई रूहमय, सरूप इशक करे वेहेवार ।।३।।

एक ईमान और इशक, सो रहे बका कई ठौर ।
तहां से आए मोमिन, इत क्यूं पावे कोई और ।।१५।।

ए तो शब्दातीत की, केहेना सबद में सुकन ।
इत है काम ईमान का, सो तो रहे बीच मोमिन ।।३९।।

अब तुम सुनों मोमिनों, कहूं बाहेदत की ठौर ।
तुमहीं पोहोंचे अरस को, इत और ना समझे और ।।३८।।

कहूं भोम नवमी की, थंभ दिवाल मेहेराब नूर ।
जोत जवेर झलकत, सो कह्यो न जाए जहूर ।।१।।

रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

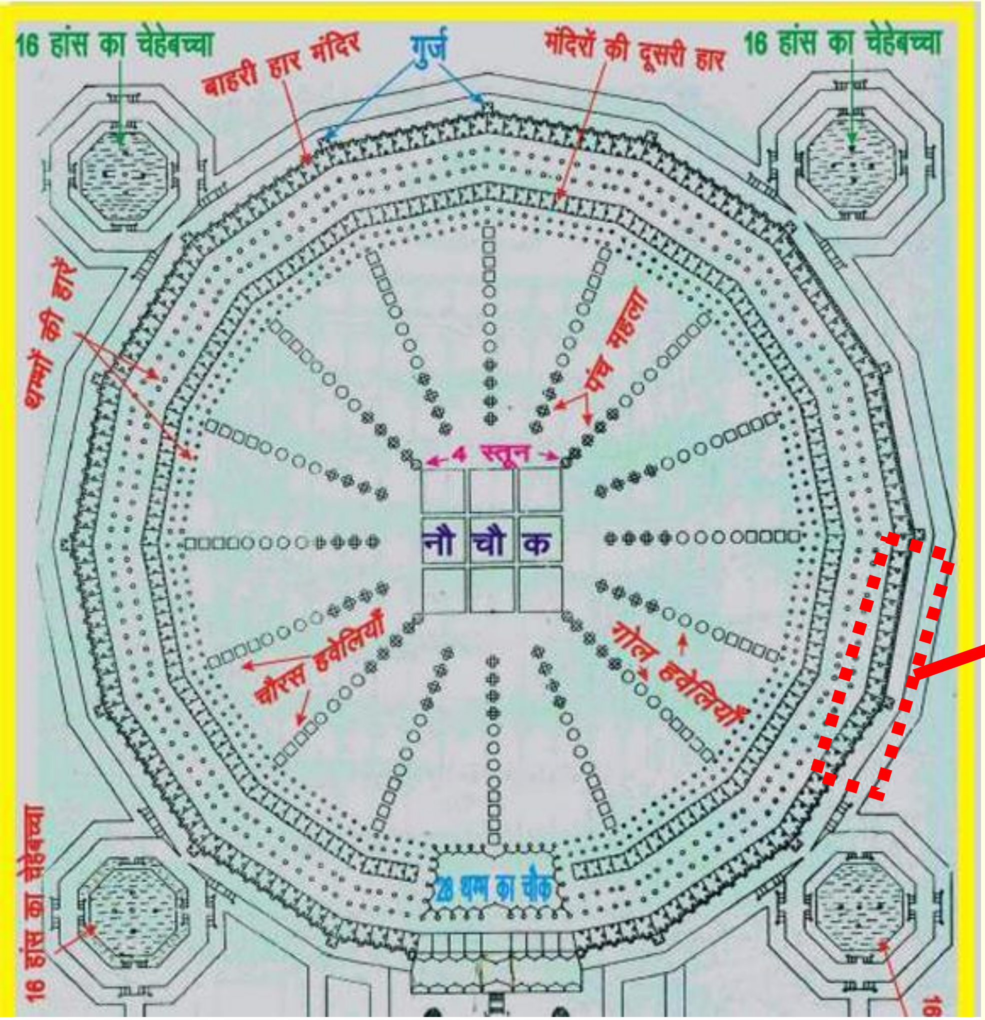

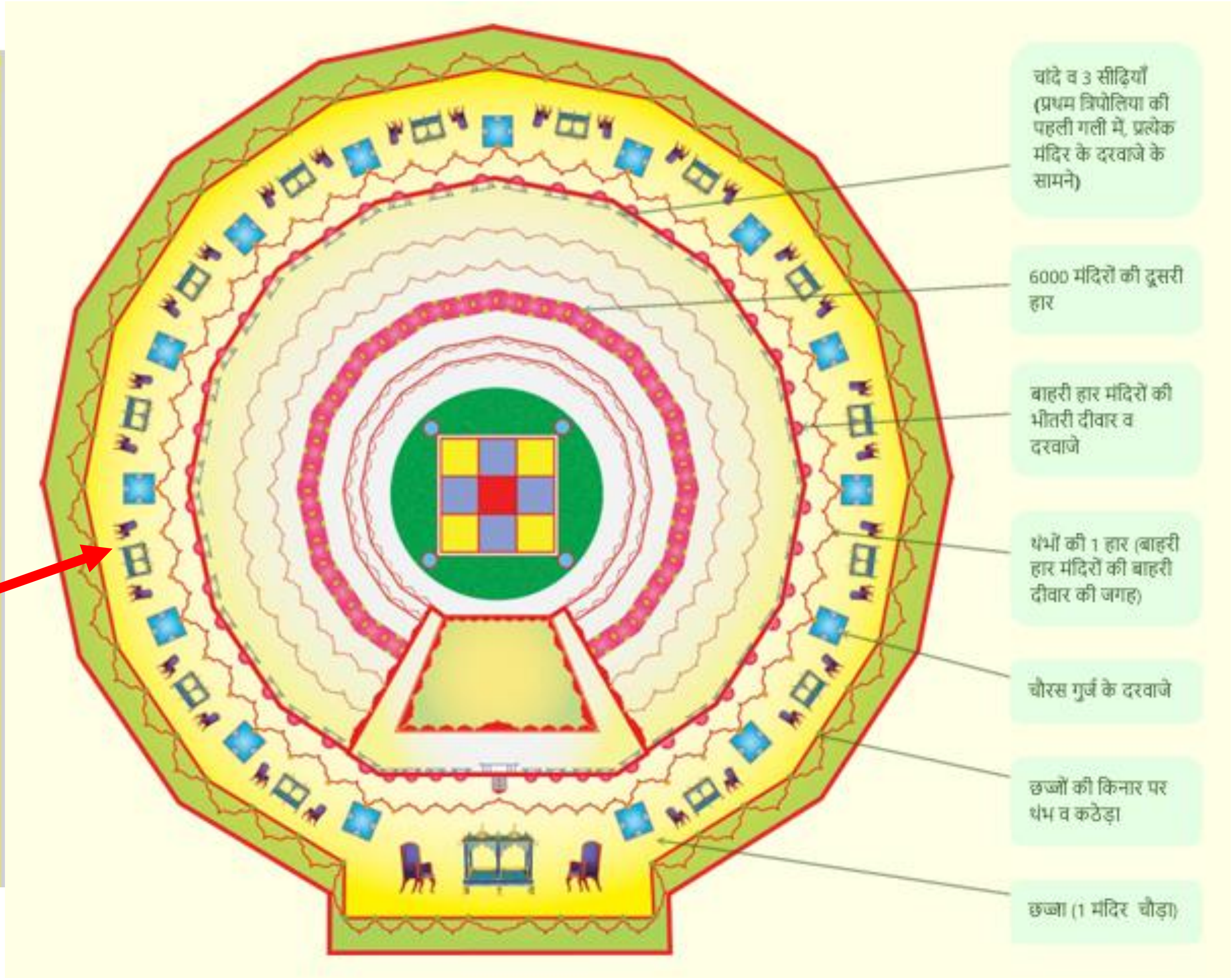

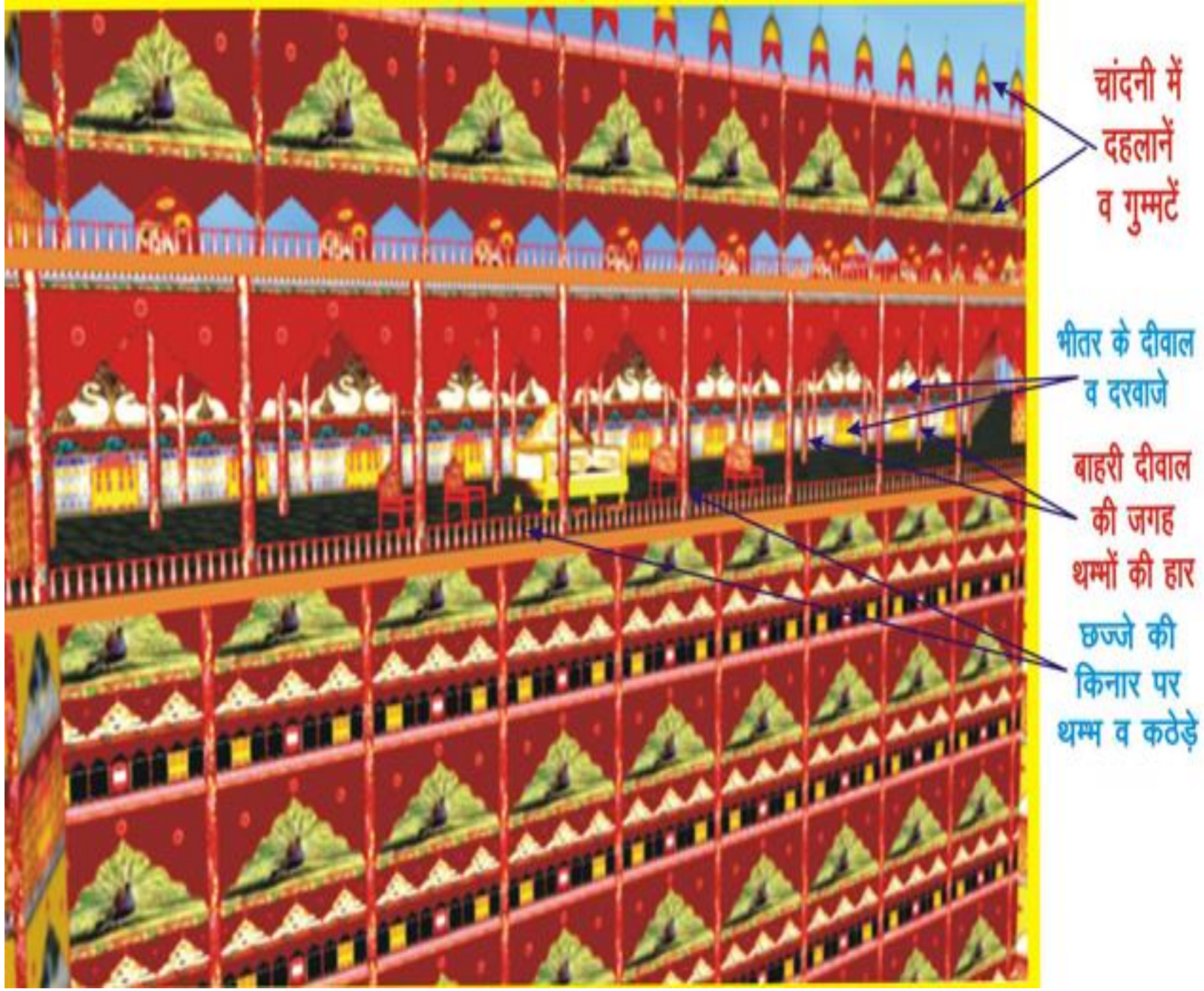

चांदनी में
दहलानें
व गुम्मटें
भीतर के दीवाल
व दरवाजे
बाहरी दीवाल
की जगह
थम्भों की हार
छज्जे की
किनार पर
थम्भ व कठेड़े

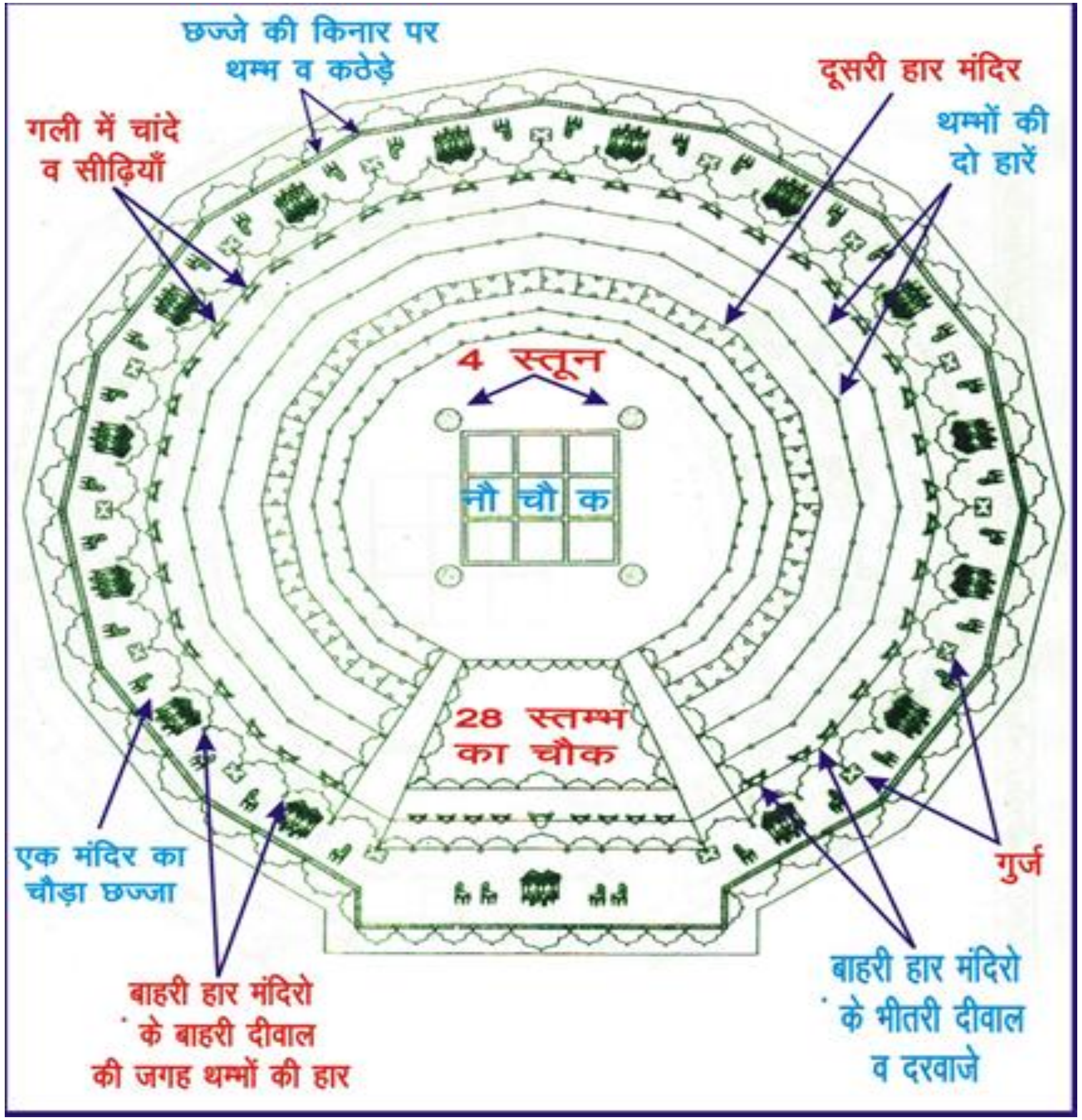

छज्जे की किनार पर
थम्भ व कठेड़े
दूसरी हार मंदिर
गली में चांदे
व सीढ़ियाँ
थम्भों की
दो हारें
4 स्तून
नौ चौ क
28 स्तम्भ
का चौक
एक मंदिर का
चौड़ा छज्जा
गुर्ज
बाहरी हार मंदिरो
के बाहरी दीवाल
की जगह थम्भों की हार
बाहरी हार मंदिरो
के भीतरी दीवाल
व दरवाजे

रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

नजरों सब आवत है , इन ऊपर की बैठक ।
देख दूर की बातें करें , रंग रस उपजावे हक ।। परि.31 / 134

या हौज या जोए के , कई विध देवें सुख ।
जब हक आराम देवहीं , तब सोई करें रूहें रूख ।। परि. 31 / 141

रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

ए दोए सौ एक छज्जे कहे, दोए गुरजों दरम्यान ।
ए लम्बा एक हांस भर, मंदिर भर चौड़ा जान ॥४७॥
छे हजार छज्जे बने, जो फिरते आए गृदवाए ।
ताकी शोभा इन मुख, क्यूं कर कही जाए ॥४२॥

ए छज्जा देहेलान एक बनी, दोए गुरजो दरम्यान ।
तहां गृद फिरता छज्जा, लटकत कठेड़ा आगे जान ॥४५॥

रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

चादा &सिडिया

रंगमहल नौवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

रंगमहल नोवीं भोम – दूरदर्शीका

विडिओ : https://www.youtube.com/watch?v=v89tBZb6aEc

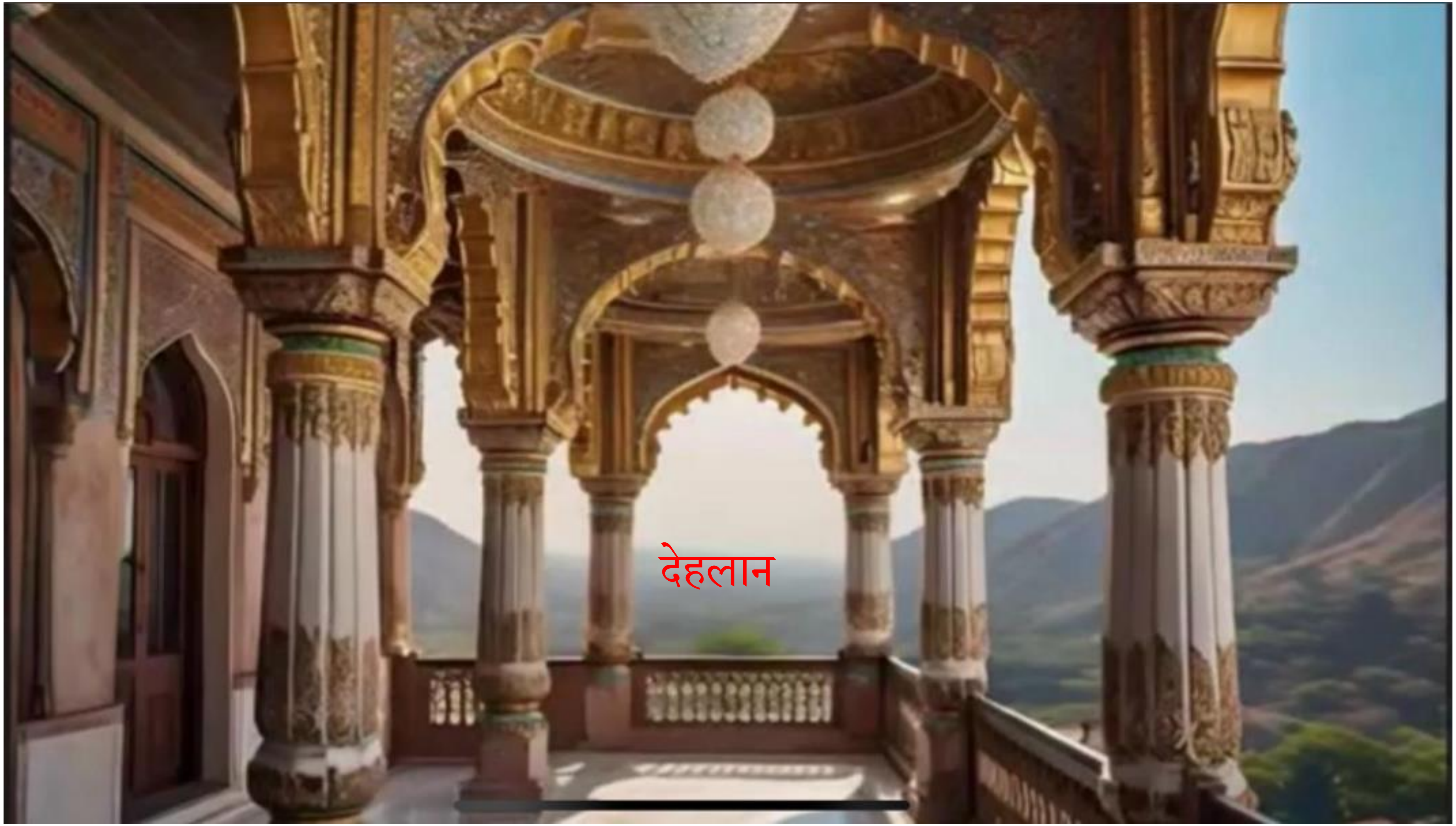

इत हक हादी रूहन को, देखिए बैठे सिंघासन ।
सब तरे आवत नजरों, सब ठौरों नूर रोशन ।।५५।

छज्जे पर स्थित सिंहासन पर श्री राज श्यामा जी व सखियों को बै देखिये । यहाँ से (सामने) नीचे की सारी नूरमयी शोभा नजर आ रही है । चार तरफ के सभी स्थान जगमगाते हुए दिखाई दे रहे हैं ।

जब तरफ पूरब को बैठत, देखिए तले सातों घाट ।
जमुना पर नूर मोहोल, सो अक्षर नूर को ठाट ।।५६।

जब रंगमहल की पूर्व दिशा में बैठते हैं, तब (सामने की तरफ) नीच सातों घाट, यमुना जी पर बने नूरी महल (केलपुल व बटपुल) और अक्षरधा का ऐश्वर्य सब दिखाई देता है ।

जब दक्खिन तरफ देखिए, बैठे इन सिंघासन ।
पहाड़ मानिक आवे नजरों, झलकत नूर रोशन ।।५७।

जब रंग महल के दक्षिण दिशा के छज्जे में सिंहासन पर विराजमान हो हैं, तो माणिक पहाड़ लाल रंग की नूरमयी झलकार करता हुआ दिखाई देता है।

जब पश्चिम तरफ बैठत, देखिए सबज याने मोहोल नूर ।
उहां सागर है दधि का, चार हार हवेलिए रोशन जहूर ।।५८।

जब पश्चिम दिशा में बैठते हैं, तो दधि सागर के चारों तरफ आये ह रंग के नूरमयी महल दिखाई देते हैं और उसके पहले आये जगमगाते हुए चा हार हवेली (छोटी रांग) भी दिखाई देते हैं ।

जब उत्तर तरफ बैठत, इत नजरों आवत पुखराज ।
बैठे सैंया सुखपाल में, आवत रमन संग राज ।।५९।।

अब उत्तर तरफ बैठते हैं, तो पुखराज पहाड़ दिखाई देता है, जहां सुखपालों में बैठकर सखियाँ श्री राजश्यामा जी के साथ विहार के लिये जाती हैं।

महामत कहे ए मोमिनों, एह कही तुमारी ठौर ।
अब आओ अपने वतन, तुम फिकर न करो और ।।६०।।

श्री महामति जी कह रहे हैं, कि हे सुन्दरसाथ जी ! यह तुम्हारे निजधाम का वर्णन किया है । अब तुम अन्य सारी चिंताएं छोड़कर अपने निजघर आ जाओ ।

Sahoor

OR

Quiz